B.A. HONS. (VEDALANKAR) Semester Exam 2021
5TH Semester

कोड- HVL-E502
प्रश्न-पत्रकानाम-वैदिक तर्कशास्त्र

समय- 3 घण्टे **अधिकतमअंक-70**

नोट- प्रश्न-पत्र दो खण्डों ए एवं बी में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड निर्देशानुसार हल करना अनिवार्य है।

खण्ड 'ए'
(लघुउत्तरीयप्रश्न)

नोट- किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर 150 शब्दों में दीजिये। प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का है।

प्रश्न 1 तर्क का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।
प्रश्न 2 छल का भेद सहित वर्णन करें।
प्रश्न 3 वितण्डा किसे कहते हैं, समझाओ।
प्रश्न 4 शब्द प्रमाण का वर्णन कीजिए।
प्रश्न 5 वाद किसे कहते हैं स्पष्ट कीजिए।
प्रश्न 6 उपमान प्रमाण को अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।
प्रश्न 7 न्याय दर्शन के पदार्थ निर्णय का वर्णन कीजिए।
प्रश्न 8 जल्प किसे कहते हैं , समझाऔ।
प्रश्न 9 पक्ष सपक्ष व विपक्ष की परिभाषालिखिए।
प्रश्न 10 प्रत्यक्ष प्रमाण के षड्विध सन्निकर्ष का वर्णन कीजिए।

खण्ड 'बी'
(दीर्घउत्तरीयप्रश्न)

नोट- किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर विस्तृत रूप में दीजिये। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है

प्रश्न 1 मानव जीवन में वैदिक तर्कशास्त्र की क्या उपयोगिता है, विस्तार से लिखिए।
प्रश्न 2 न्याय शब्द से आप क्या समझते हैं , वर्णन कीजिए।
प्रश्न 3 हेत्वाभास किसे कहते है,भेद सहितवर्णन कीजिए।
प्रश्न 4 पंचावयव को उदाहरण सहित समझाते।
प्रश्न 5 प्रत्यक्ष प्रमाण को विस्तार से लिखिए।
प्रश्न 6 अनुमान प्रमाण का भेद सहित वर्णन कीजिए।
प्रश्न 7 निम्न गद्यांश की व्याख्या कीजिए -
व्याप्तिविशिष्टपक्षधर्मताज्ञानंपरामर्शः । यथा ' वह्निव्याप्य- धूमवानयं पर्वत ' इति ज्ञानं परामर्शः । तज्जन्यं पर्वतो वह्निमान् इति ज्ञानमनुमिति: । यत्र यत्र धूमस्तत्र तत्राग्निरिति साहचर्यनियमो व्याप्ति: ।
प्रश्न 8 निम्न गद्यांश की व्याख्या कीजिए -
इन्द्रियार्थसन्निकर्षजन्यं ज्ञानं प्रत्यक्षम् ।
तद् द्विविधं – निविकल्पकंसविकल्पकञ्च । तत्र निष्प्रकारकं ज्ञानं निर्विकल्पकम् । यथेदं किञ्चित् । सप्रकारकं ज्ञानं सविकल्पकम् । यथा

डित्थोऽयं , ब्राह्मणोऽयं , श्यामोऽयमिति ।